RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-01
January -2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

ग्रामीण क्षेत्र में बीपीएल वर्ग के प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताएँ, समस्याएँ एवं उनकी शिक्षा व्यवस्था का एक अध्ययन

[1]Rakesh Kumar & [2]Dr.Aabha Singh

[1]Research Scholar, Dept. of Education, JVBI Ladnun (India)
[2]Assistant Prof., JVBI Ladnun, Rajasthan (India)

उद्देश्यः-

शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य ''ग्रामीण क्षेत्र में बीपीएल वर्ग के प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताएँ, समस्याएँ एवं उनकी शिक्षा व्यवस्था का एक अध्ययन'' करना है। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्र में बीपीएल वर्ग के प्रतिभाशाली बालकों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस शोध पत्र द्वारा प्रतिभाशाली बालकों की समस्याएँ एवं शिक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए शोधार्थी द्वारा एक संक्षिप्त प्रयास किया हैं।

प्रस्तावनाः-

वर्तमान सामाजिक जटिलताओं का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्र में बीपीएल वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों पड़ रहा है। यही बालक जब किशोरावस्था में प्रवेश करते है, तो परिस्थितिवश उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। परिणामस्वरूप प्रतिभाशाली किशोर को अपनी सृजनात्मक शक्तियों के विकास में कई समस्याओं का सामना करता है। जब बीपीएल वर्ग के प्रतिभाशाली बालक विद्यालयी जीवन में प्रवेश करते हैं, तो उन्हें समाज, विद्यालय जीवन के विविध क्षैत्रों में असमायोजन का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में उनका आचरण समाज सम्मत न होकर समाज के प्रतिकूल हो जाता है। एक राष्ट्र की उन्नति उसके प्रतिभाशाली विद्यार्थियों पर निर्भर है। भारत देश के भावी नागरिक योग्य, कुशल एवं आदर्श व्यक्तित्व लिए हो। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के ये सभी व्यावहारिक पक्ष तभी विकसित हो सकते है, जबकि वह जीवन की विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में स्वयँ को समायोजित करने लायक बना सके।

वर्तमान समय में प्रतिभाशाली विद्यार्थी समाज के अन्य वर्गों से विकास में पिछड़ते जा रहे हैं। इसके परिणाम स्वरुप सामाजिक जटिलता इतनी अधिक होती जा रही है कि चारों ओर असंतोष छाया हुआ है। प्रतिभाशाली एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों को समाज और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना करना पड़ता है। परिणाम स्वरुप ये लोग राष्ट्रीय धारा से पूरी तरह से मिल नहीं पाये है। और समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में असमर्थ रहे हैं। इनके कमजोर सामाजिक स्तर की संविधान निर्माताओं को पूरी जानकारी थी। और इन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के लिये संविधान में विशेष प्रावधान किये गये है।

जैसा कि इस शोध-पत्र के शीर्षक से ही स्पष्ट हो जाता है की इस शोध के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में बीपीएल वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की समस्याओं का अध्ययन किया जायेगा। अतः बीपीएल वर्ग के विद्यार्थियों के विकास या किसी भी राष्ट्र के विकास में उस देश के विद्यार्थी एक महत्त्वपूर्ण धूरी है। यही कारण है की उनके विकास के सभी पक्षों की आवश्यकता को भी नकारा नहीं जा सकता। इसके लिए यह आवश्यकता है कि समाज के निम्न वर्गों की भाँति ही शिक्षा प्रदान की जाए, जिस से वे अपना सर्वांगीण विकास कर अपने सृजनात्मक पक्ष को मजबूती प्रदान कर उसका स्वयँ मूल्यांकन कर सके। अब आवश्यकता है तो एक ऐसे मार्गदर्शन की जिसमें बीपीएल वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझते हुए उनके साथ यथा संभव उचित व्यवहार किया जाये।

प्रतिभाशाली बालक की परिभाषाएँः-

1.कॉलसनिक :-

''प्रतिभाशाली शब्द का प्रयोग उस प्रत्येक बालक के लिए किया जा सकता है जो अपनी आयु स्तर के अन्य बालकों में कुछ योग्यताओं में श्रेष्ठ हो और समाज में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले गुणवान व्यक्ति के रुप में उसका विशिष्ट स्थान हो।''

2.स्किनर :-

''प्रतिभावान शब्द का प्रयोग उन एक प्रतिशत बालकों के लिए किया जाता है जो सबसे अधिक बुद्धिमान होते है।''

RRIJM 2015, All Rights Reserved

Scanned by CamScanner